Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

24

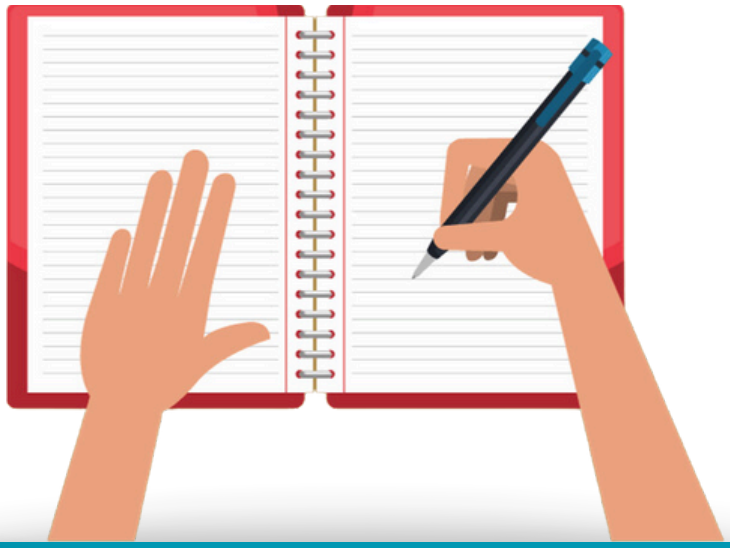

अजीजन बाई - प्रमुख व्यक्तित्व

अजीजन बाई 1857 के विद्रोह की एक वीरांगना थी।

आजादी की जंग के इतिहास के पन्नों में 1857 का वो दौर बहुत महत्वपूर्ण है जब क्रांति की चिंगारी ज्वाला बन अंग्रेजों के खिलाफ फूट पड़ी थी। नाना साहब, तात्या टोपे अजीमुल्ला खाँ ऐसे कई बड़े नाम थे जो क्रांति के नायक हुआ करते थे। मगर एक नाम और भी था जो क्रांति की मशाल थामे आजादी की राह को रोशन कर रहा था। खास यह कि इस शख्सियत के पीछे महिलाएं भी योद्धा बनकर अंग्रेजों का सामना करने से पीछे नहीं थी। यह थी अजीजन बाई। नाच गाने के लिए पहचान रखती थी। मगर देश के लिए घुंघरू उतार तलवार को थाम लिया। और अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिये।

- अजीजन बाई का जन्म 22 जनवरी को मध्यप्रदेश के मालवा में हुआ।
- अजीजन बाई को 20 सितंबर 1857 को अंग्रेजों ने पकड़ लिया। और उन्हें फाँसी दे दी गई उन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

@resultmitra www.resultmitra.com

24/Jan/P2

स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिवीर - ठाकुर रोशन सिंह

ठाकुर रोशन सिंह का जन्म 22 जनवरी 1892 को उत्तरप्रदेश के शाहजहाँपुर जिले के नबाड़ा गाँव में एक राजपूत परिवार में हुआ था।

- उनके पिता का नाम ठाकुर जंगी सिंह माता का नाम कौशल्या देवी था।

स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिवीर ठाकुर रोशन सिंह के बारे में

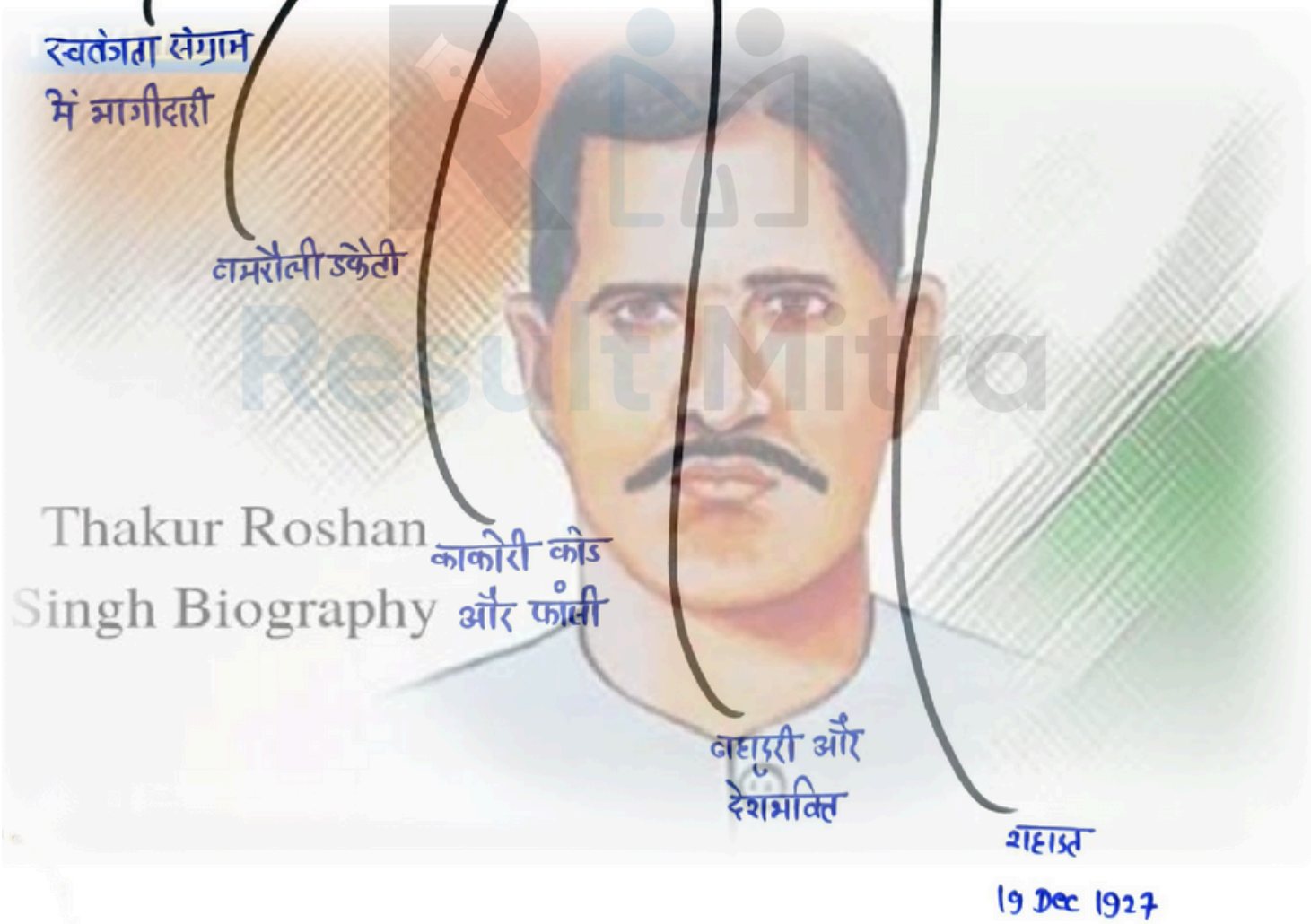

ResultMitra

काकोरी कांड

24/Jan/P3

काकोरी कांड जिसे अब काकोरी ट्रेन एक्शन के नाम से भी जाना जाता है यह घटना 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के पास काकोरी नामक एक गाँव में हुई थी।

- यह एक ट्रेन डकैती थी। जिसमे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के क्रांतिकारियों ने सहारनपुर से लखनऊ जा रही एक ट्रेन को लूट लिया था। उनका मकसद ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटना था।
- राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, राजेन्द्र लाहिड़ी और रोशन सिंह को फांसी की सजा सुनाई गई।

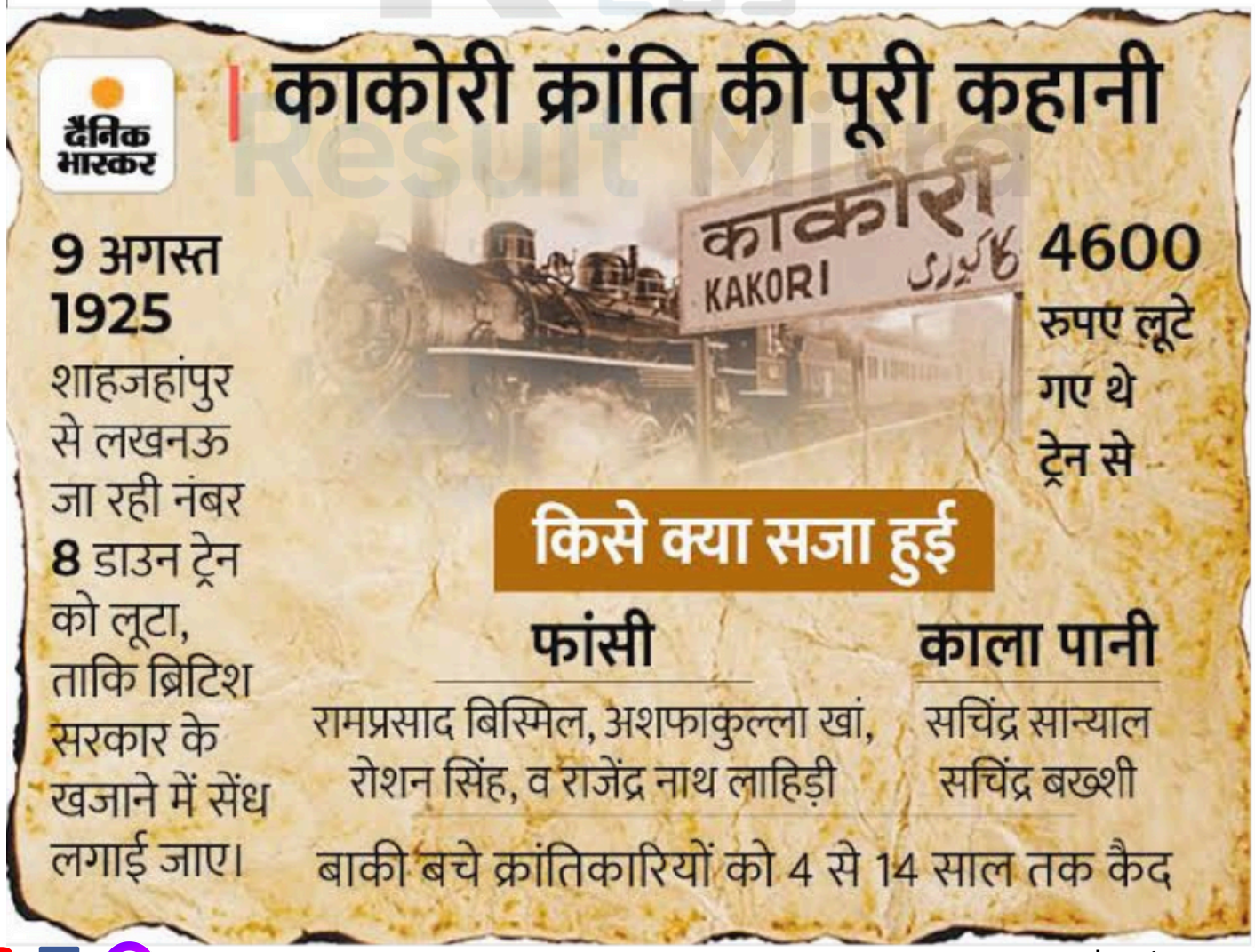

@resultmitra www.resultmitra.com

24 Jan 25

सुभाषचन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2025

- भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (INCOIS) हैदराबाद को संस्थागत श्रेणी में सुभाषचन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है।

- यह पुरस्कार हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर घोषित किया जाता है।

- संस्थागत श्रेणी में पुरस्कार राशि 5। लाख और व्यक्ति के लिए 5 लाख है।

Result Mitra

INCOIS

खेलो इंडिया विंटर गेम्स - 2025

24/Jan/25

- खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 का आयोजन दो चरणों में लद्दाख और जम्मू कश्मीर में होगा।
- केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया लद्दाख में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 का उद्घाटन करेंगे।
- KIWG 2025 की शुरुआत एनडीएस स्टेडियम और लद्दाख स्काउट रेजीमेंटल सेंटर में आइस हॉकी मैचों के साथ हुई।
- 19 टीमें राज्यों केन्द्रशासित प्रदेशों और सेना व आईटीबीपी जैसे संस्थागत दलों का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।
- प्रतिभागी - 594 (428 एथलीट)

Result Mitra

खेलो इंडिया विंटर गेम्स-2025

खेलो इंडिया विंटर गेम्स का उद्देश्य:

1. शीतकालीन खेलों का विकास:
2. भारत में शीतकालीन खेलों की संभावनाओं को विकसित करना और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना।
3. स्थानीय प्रतिभा को प्रोत्साहन:
4. जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर राज्यों में छुपी हुई प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें अवसर प्रदान करना।
5. पर्यटन को बढ़ावा:
6. खेलों के माध्यम से भारत के बर्फीले क्षेत्रों जैसे गुलमर्ग और मनाली को वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करना।

पिछले खेलों से तुलना (2020-2024):

1. शुरुआत:
   - खेलो इंडिया विंटर गेम्स की शुरुआत 2020 में हुई थी।
   - पहला संस्करण गुलमर्ग (जम्मू-कश्मीर) में आयोजित हुआ।
2. 2024 में:
   - 2024 में यह आयोजन मनाली (हिमाचल प्रदेश) और लेह-लद्दाख में हुआ।
3. 2025 में अपेक्षाएं:
   - 2025 के आयोजन में खेलों का स्तर और भी ऊंचा होगा।
   - इसमें अधिक खिलाड़ियों और राज्यों की भागीदारी की उम्मीद है।

डॉ. नीरजा माधव को म.प्र. शासन द्वारा राष्ट्रीय मैथिली शरण गुप्त सम्मान 2023

24/Jan/24

राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित प्रख्यात साहित्यकार डॉ. नीरजा माधव (वाराणसी) को म.प्र. शासन संस्कृति विभाग द्वारा वर्ष 2023 के लिए राष्ट्रीय मैथिली शरण गुप्त सम्मान प्रदान किया जाएगा।

- सम्मान राशि - 5 लाख रुपये।
- यह सम्मान हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए दिया जाता है।
- निवासी - वाराणसी, उत्तरप्रदेश

मैथिलीशरण गुप्त

मैथिलीशरण गुप्त हिन्दी साहित्य के एक महान कवि थे।
इन्हें राष्ट्रकवि की उपाधि से भी सम्मानित किया जाता है।

- जन्म - 3 अगस्त 1886 चिरगांव (झाँसी) उत्तर प्रदेश

प्रमुख रचनाएँ

- भारत-भारती
- साकेत
- पंचवटी
- यशोधरा
- द्वापर
- जयद्रथ वध

Result Mitra